



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 487]
No. 487]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 26, 1983/पौष 5, 1905
NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 26, 1983/PAUSA 5, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाले जाते हैं जिससे कि यह असाधारण संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

जर्जर मंत्रालय

(प्रैटोलियम विषय)

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर 1983

अधिसंचयन

सांकेति० ९१९ (अ) केन्द्रीय सरकार लेख उद्योग विकास अधिनियम, 1974 (1974 का सं० 47) की आदान 31 दिन विकास एकित्यों का प्रयोग करने हुए, तिमन्तिवित नियम बनाती है, अर्यांत-

1. मंथित नाम और प्रारंभ (1) इन नियमों का मंथित नाम नेतृत्व उद्योग विकास बोर्ड कर्मचारी (मन्त्री और सेवा निवृति) उपदान नियम, 1983 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. परिभाषाएँ इन नियमों में जब तक कि मंदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो।

(क) "उपलब्धिया" में वेतन (जिसके अन्तर्गत ममय-ममय पर जारी किए गए केन्द्रीय सरकार के आदेश तारा यथा अवधारणा मंडपार्श्व वेतन भी है), विषेष वेतन, अवकाश वेतन, जिसे शोर्ड का कर्मचारी वापनी सेवा छोड़ने के लिए पहले या अपनी मृत्यु की तारीख को प्राप्त कर रहा था, अधिस्त्रेत है और ने प्रतिमाह 2,500/- स्पा. की अधिकतम सीमा के अधीन होगी:

(ख) "कुटुम्ब" के अन्तर्गत तिमन्तिवित आते हैं:-

- (i) किसी पूर्ण सरकारी सेवक की दशा में पत्नी या पत्नियों (जिसके अन्तर्गत न्यायिक रूप से पृथक की गई पत्नी या पत्निया भी है)
- (ii) किसी महिला सरकारी सेवक की दशा में पति, (जिसके अन्तर्गत न्यायिक रूप से पृथक किया गया पति भी है),
- (iii) पूर्ण जिसके अन्तर्गत सौनेली पुत्र और दलक पुत्र भी है,
- (iv) अविवाहित पुत्रियां जिसके अन्तर्गत सौनेली पुत्रिया और दलक पुत्रिया भी हैं,
- (v) विवाहित पुत्रिया जिसके अन्तर्गत सौनेली पुत्रिया और दलक पुत्रिया भी है;
- (vi) पिता, जिसके अन्तर्गत ऐसे अवकाशों की दशा में जिसकी स्वीकारिता दलक अनुमति करती है, दलक
- (vii) माता पिता भी है।
- (viii) अद्यर्ह वर्ष में कम आयु के भाई जिसके अन्तर्गत सौनेले भाई भी हैं
- (ix) अविवाहित वहिने और विवाहित वहिने जिसके अन्तर्गत सौनेली वहिने भी हैं;
- (x) विवाहित पुत्रिया; और
- (xi) किसी पूर्व-मृत्यु पुढ़ के बालक;

(ग) "अनियमित कर्मचारी" से बोई ऐसा व्यक्ति जो थोड़े के नियमित स्थापन में नियोजित नहीं है, अपितु ऐसे काम के लिए नियोजित किया जाता है जो आवश्यक रूप से पूर्णतः अस्थायी प्रकृति का है या जिसे स्थायी काम में अस्थायी बृद्धि के संबंध में 12 मास से अधिक की अवधि के लिए नियोजित किया जाता, अभिषेत है;

(घ) "अहंक सेवा" में 18 वर्ष की आयु पूरी हो जाने के पश्चात् थोड़े में की गई निरंतर सेवा जिसके अन्तर्गत इन नियमों के ग्राहण के पूर्व अर्थात् थोड़े में नियुक्ति की तारीख से शिक्षा या प्रशिक्षण और अवकाश देने के बिना असाधारण अवकाश के रूप में की गई सेवा की अवधि और विशेष गतिस्थित के रूप में सम्मोजित नियमन की अवधि को छोड़कर की गई निरंतर सेवा अभिषेत है।

टिप्पणी: असाधारण अवकाश की दशा में ऐसे अवकाश की मंजूरी के समय सचिव या अधिकारी उस अवकाश की अवधि की अहंक सेवा के रूप में गणना देने की अनुमति वे सकेगा यदि ऐसा अवकाश किसी कर्मचारी को—

(i) विकिता प्रमाणपत्रि के आधार पर या,

(ii) मिवित उपद्रव के कारण डम्पटी पर आपस लोटने या पूनः बापस नीटने की उसकी असमर्थता के कारण, मंजूर किया जाता है।

(इ) "अधिकारीपक्षता" से 58 / 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर थोड़े के कर्मचारी की सेवा से नियुक्ति अभिषेत है।

3. विस्तार उपदान थोड़े के पूर्ण कालिक नियमित कर्मचारी को विद्या जाएगा किन्तु उसके असर्वात्मनि निम्नलिखित नहीं आएँ:-

(j) आकस्मिक और अनियमित कर्मचारी,

(jj) प्रतिनियुक्ति के नियमों पर नियोजित तरकारी सेवक और अन्य।

(iii) संविदा नियमों पर कर्मचारी।

(iv) शिक्षा और प्रशिक्षण।

(v) पुनर्नियोजित व्यक्ति,

(vi) उपदान संदाय अधिनियम, 1972 (1972 का 39) द्वारा शामिल कर्मचारी :

परन्तु इन नियमों के अधीन उपदान के संदाय के नियमों के अधीन उपदान संदाय अधिनियम 1972 (1972 का 39) के अधीन लिए गए नियमों से अधिक लाभदायक हैं, ऐसे कर्मचारियों को लागू होंगे।

4. उपदान की मंजूरी की गति-नियम 3 में वर्णित उपबंधों के अधीन रहते हुए उपदान थोड़े के पूर्ण कालिका कर्मचारियों को, अच्छी दशान-पूर्ण और नियंत्रित सेवा के लिए विद्या जाएगा और निम्नलिखित परिस्थितियों में देय होगा:-

(क) पद के उत्पादन पर उम्मोदन,

(ख) शारीरिक या मानसिक गतिशीलता के कारण स्थायी निःशक्तता

(ग) सेवा में रहने हुए कर्मचारी की मृत्यु पर।

(घ) अधिवार्षिता

(ङ) पर्यवेक्षक कर्मचारियों की दशा में थोड़े में 5 वर्ष की अहंक सेवा करने के पश्चात् थोड़े की सेवा से अनुरूप की तारीख को त्यागपत्र (1 फरवरी, 1980 को या उसके पश्चात्)

(ज) (i) उपदान ऐसे कर्मचारी को अनुरूप नहीं होगा जो 5 वर्ष की अहंक सेवा पूरी करने के पूर्व सेवा से त्यागपत्र दे देता है,

या जिसकी सेवाएँ कादाचार, विद्यालयन या धारावंकालता के कारण समाप्त कर दी जाती है।

(ii) मृत्यु की दशा में के मित्र उपदान के बन पाच वर्ष की अहंक सेवा के पश्चात अनुरूप होगा।

5. उपदान की रकम (1) उपदान उपलब्धियों के $16 \frac{1}{2}$ गुण या 36,000 रुपये, इन दोनों में से जो भी कम है, के अधिकान्तर की दूष प्रत्येक पूरी की गई 6 मास की सेवा की अवधि के लिए उपलब्धियों के $\frac{1}{4}$ के बराबर होती है।

(2) मृत्यु की दशा में उपदान की रकम की संगतता उपनियम (1) में वथा उपबन्धित रूप में या नीचे वर्णित रूप में इन दोनों में से जो भी अधिक हो, जो आएँ:-

(i) सेवा की पहली वर्ष के बीचारा

2 मास की उपलब्धियाँ

(ii) एक वर्ष के पश्चात किन्तु 5 वर्ष की सेवा में पूर्व 6 मास की उपलब्धियाँ

(iii) पांच वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात्

12 मास की उपलब्धियाँ

6. उपदान के संदाय के लिए नामनिर्देशन (1) प्रत्येक कर्मचारी इन नियमों से अनुलान प्रकृति में अपने कुटुम्ब के एक या वर्षीय व्यक्तियों को सेवा में रहने हुए अपनी मृत्यु यी दशा में या सेवा थोड़े देने के पश्चात किन्तु उपदान का संदाय किए जाने के पूर्व प्रत्येक सदस्य को संदेश देय पर उपरांशित करने हुए उपदान अभिप्राप्त करने का अधिकार प्रदान करने वाला एक नामनिर्देशन करता है। यदि कर्मचारी का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी व्यक्ति या अविक्तियों या निगमित या अनियमित व्यक्तियों के किसी निकाय के पक्ष में किया जा सकेगा। यदि ऐसे किसी व्यक्ति के पक्ष में, जो उसके कुटुम्ब का सदस्य नहीं है, नामनिर्देशन करने के पश्चात् कर्मचारी का काई कुटुम्ब हो जाता है तो इस प्रकार किया गया नामनिर्देशन, अपने अपने समाज हो जाएगा और जब तक कि कोई नदा नामनिर्देशन नहीं किया जाता है, उपदान इन नियमों के उपबंधों के अनुसार कुटुम्ब, के उत्तराधीयी सदस्यों को संदर्भित किया जाएगा।

(2) कोई नामनिर्देशन न किया जाने की दशा में उपदान, मृत्यु पर नीचे उपरांशित रीति में संदर्भित किया जा सकेगा:-

(क) यदि कुटुम्ब के एक या अधिक उत्तराधीयी सदस्य है जैसा कि नियम 2 के बाण्ड (ब) के उपरांशित (i) से (iv) में उपलब्धित है, तो वह ऐसी सभी सदस्यों की ऐसे सदस्य को छोड़कर जो विधवा पूरी है, बराबर शेषरों में संश्लेष की जाएँगी।

(ब) यदि कुटुम्ब के ऐसे कोई उत्तराधीयी सदस्य नहीं है, किन्तु एक या अधिक उत्तराधीयी विधवा पूरी और या कुटुम्ब के अधिक उत्तराधीयी सदस्य है जैसा कि नियम 2 के बाण्ड (ब) के उपरांशित (v) से (ix) में वर्णित है, तो उपदान ऐसी सभी सदस्यों को बराबर शेषरों में संदर्भित किया जाएगा।

(3) कर्मचारी उपनियम (1) के अधीन किए गए नामनिर्देशन को किसी भी समय प्रतिसंहृत या रद्द कर सकेगा और एक तथा नामनिर्देशन कर सकेगा जो उस तारीख से जिसको वह थोड़े के पास काइत किया जाता है, प्रभावी होगा।

7. उपदान के लिए आवेदन उपदान की मंजूरी के लिए आवेदन विहित प्रलिप्त में थोड़े के अध्यक्ष सचिव द्वारा अवधारित की जाती है।

8. साधारण नियम (1) उपदान की रकम, जो मंजूर की जा सकेगी नियम 4 में वथा उपरांशित सेवा की अवधि द्वारा अवधारित की जाती है।

अधेर वर्ष के भाग को कर्मचारी को अनुज्ञेय किसी उपदान की संगणना करने में हिसाब में नहीं लिया जाता है।

(2) रुपए में नियन्त्रण जादान को निकटतम रूपी तक गंगाजित किया जाएगा।

(3) ऐसा कोई कर्मचारी जिसका पद के उन्नादन के कारण उभयोचन के लिए चयन किया जाता है, नियम 4 के अधीन उपदान के लिए हक्कदार है यदि वह बोई में किसी अन्य पद को स्वीकार नहीं करता है। यदि वह कोई अन्य नियुक्त शेष ही वह निम्न वेतन पर हो, स्वीकार करता है, तो उसकी पूर्व सेवा की गणना उपदान के लिए की जाएगी।

(4) निलंबन की अवधि (1) आवरण के बारे में जाच संबिन रहने के दौरान निलंबनाधीन व्यक्तीन किए गए समय की गणना की जाती है यदि निलंबन के तुरन्त बाब सेवा में पुनः बहाली हो जाती है, किन्तु विनिविष्ट शास्ति के स्पष्ट में समायेजित निलंबनाधीन व्यक्तीत किए गए समय की गणना मही होती है। किसी कर्मचारी को विष्णुन नहीं किया जाएगा, यदि उसे निलंबन की अवधि के पश्चात अवमुक्त कर दिया जाता है।

(5) यदि निलंबनाधीन कर्मचारी को सेवा में पुनः बहाल कर दिया जाता है और निलंबन के अधीन अनुज्ञेय भूतों के किसी भाग को प्राप्त करने के लिए अनुज्ञान नहीं किया जाता है तो ऐसे निलंबन की अवधि की गणना ऐसे प्राधिकारी के जो ऐसे कर्मचारी को सेवा में पुनः बहाल करता है, विनिविष्ट आदेशों के बिना अहंक सेवा के प्रयोजन के लिए नहीं की जाएगी जो पुनः बहाली के तुरन्त पश्चात हम प्रश्न को स्पष्ट करेगा।

10. हटाया जाना और पदन्यूति (1) वह कर्मचारी जो पदन्यूत किया जाता है, हटाया जाता है या अनिवार्य रूप से निवृत्त किया जाता है किसी जो अधील या पुनरीक्षण पर पुनः बहाल कर दिया जाता है, उपदान के प्रध्यायत के लिए अपनी पहली सेवा के फायदों का हक्कदार है।

(2) यथास्थिति, पदन्यूति, हटाए जाने या अनिवार्य सेवा निवृत्ति की तारीख और पुनः बहाली की तारीख तथा निलंबन यदि कोई है को अवधि के बीच सेवा में व्यवहार की अवधि की गणना तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि उसे उस प्राधिकारी के जिसने पुनः बहाली न आदेश पारित किए हैं, विनिविष्ट आदेश के द्वारा कर्तव्य या अवकाश में हम में नियमित नहीं किया जाता है।

(i) अवरोध : कर्मचारी की सेवा में अवरोध से निम्ननिवित दण्डों को सौंडकर उसकी पहली सेवा का सम्पद्धण हो जाता है।

(1) प्राविकृत अनुपस्थिति छुट्टी।

(2) प्राधिकृत अनुपस्थिति छुट्टी के जारी रहने के दौरान अप्राधिकृत अनुपस्थिति जब तक कि अनुपस्थित रहने वाले व्यक्ति का पद अधिकारी हम से नहीं भरा जाता है। यदि उस का पद अधिकारी हम से भर दिया जाता है तो पहली सेवा सम्पद्धत हो जाती है।

(3) निलंबन जहाँ इसके तुरन्त पश्चात पुनः बहाली हो जाती है वहाँ वह पद पर या किसी पद पर होती है या जहाँ कर्मचारी की भूत्य हो जाती है या उसे सेवानिवृत्त होने के लिए अनुचान कर दिया जाता है या वह निलंबनाधीन होने हुए निवृत्त हो जाता है।

(4) स्थापन की कमी हो जाने के कारण पद का उत्पादन या नियुक्ति भी समाप्ति।

12. अनुपस्थिति का भूत्यक्षी रूप से नियुक्तरण : वह प्राधिकारी जिसने उपदान को मंजूरी दी है वेतन ग्रहित या उसके बिना उन अवकाश के बिना अनुपस्थिति अवधि को भूत्यक्षी रूप से असाधारण छुट्टी में कम कर देंगे।

13. अवरोध और कमियो का माफ करणा

(i) ऐसी गती पर जो वह प्रत्येक मासमें अधिरापित करना दूक समझे, अध्यक्ष कर्मचारी की सेवा में सभी अवरोधों को माफ कर सकेगा।

(2) अध्यक्ष किसी कर्मचारी की अहंक सेवा में 6 मास में अनधिक की कमी को माफ कर सकेगा और उपदान की मंजूरी देने वाला मक्तम प्राधिकारी 3 मास में अनधिक की ऐसी कमी को माफ कर देंगे।

14. शोष्यो आदि की वसूली करने का बोई का अधिकार-

बोई को अपने पूर्णतः या भागतः शोष्यों द्वारा कोई होती है, की उपदान में वसूली करने का अधिकार होगा। कर्मचारी की ओर से किसी कार्य या कार्य के परिणामस्वरूप बोई को हुई किसी धनीय हानि की वसूली ऐसे कर्मचारी को सदैय उपदान की रकम में को जाएगी यदि बोई का यह समाधान हो जाता है कि कर्मचारी अपनी सेवा के दौरान जिसके अन्तर्गत की गई सेवा या सेवा निवृत्ति के पश्चात पुनर्नियोजन भी है, और कदाचार या उपेक्षा का दोषी रहा है भरे ही कर्मचारी की इसके बारे में सूचना न दी गई हो।

15. कर्मचारी के अधिकार का अनारोध न होना

इन नियमों के अधीन किसी कर्मचारी को सदैय फायदों या उत्तराधिकारों को जो उसे सदैय हो जाता है किसी कर्मचारी के अधिकार का समनुवेक्षण नहीं किया जा सकता है (नियम 6 में यथा उत्तराधिकार के सिवाय), गिरवी नहीं रखा जा सकता है या विनियम नहीं किया जा सकता है या अनसंक्षण नहीं किया जा सकता है।

16. कानूनी कटौती के अधीन उपदान : उपदान का समाप्त मवी कानूनी कटौतियों के अधीन है।

[फ० सं० 7(10 / 83 विस-2)
आर० वासुदेवन, संयुक्त सचिव]

प्र० १

मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपदान के लिए नामनिर्देशन

अब कर्मचारी का कोई कुटुम्ब न हो और वह एक से अधिक सरकारी को नामनिर्देशित करना चाहता है।

मृत्यु के कारण किसी भी सेवा कोई कुटुम्ब नहीं है इसलिए नीति उत्तमविन व्यक्ति/ठाकियों को नामनिर्देशित करता है और उसको/उनको नीति विनिविष्ट मात्रा तक ऐसा कोई उपदान जो सेवा में रहते हुए मेरी मृत्यु की दशा में तेल उद्योग विकास बोई द्वारा मंजूर किया जाए, प्राप्त करने का अधिकार

ओर नीचे त्रिनिर्दिष्ट मात्रा वह गिया कोई उपदान जो मेरी सेवा निवृति पर मुझे अनुज्ञय हो जाने पर मेरी मृत्यु के समय अमर्त्य रह जाता है, मेरी मृत्यु पर प्राप्त करने वा अधिकार प्रदान करता है।

मूल नामनिर्देशिनी

अनुकूली नामनिर्देशिनी

नामनिर्देशिनी/नामनिर्देशिनियों का नाम आग पता	कर्मचारी में संबंध	आयु	प्रत्येक की संदेश उपदान की रकम का शेयर	गिये व्यक्ति या अकिलयों, यदि कोई हो, का नाम, पता, संबंध और आयु जिसकी/जिसको नामनिर्देशिनी की कर्मचारी के पहले मृत्यु हो जाने की दण में या नामनिर्देशिनी की कर्मचारी की मृत्यु के पश्चात किन्तु उपदान का सदाय प्राप्त करने के दूसरे मृत्यु हो जाने की दण में अधिकार प्रदान होगा।	प्रत्येक को संदेश उपदान के शेयर
1	2	3	4	5	6

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

टिप्पणः यह नामनिर्देशन पहले तारीख को में द्वाग किए गए नामनिर्देशन को अधिभित करता है, जो रह हो गए है।

(1) कर्मचारी को चाहिए कि वह नीचे आनी स्थान पर अनिम प्रतिष्ठित के सामने रेखा खींच दें, जिससे कि उसके हस्ताक्षर किए जाने के पश्चात कोई नाम न छोड़ा जा सके।

(2) जो नाम न होता हो, उसे काट दें।

आज तारीख 198 स्थान

माध्यमिकों के हस्ताक्षर : कर्मचारी के हस्ताक्षर :

1.

2.

*ग्रह स्तम्भ भरा जाना चाहिए जिसमें कि उपदान की पूरी रकम आ जाए।

**इस मामले में दर्शित उपदान की रकम/शेयर के अन्तर्गत मूल नामनिर्देशिनी/नामनिर्देशिनियों को संदेश पूर्ण रकम/शेयर प्राप्त जाने चाहिए।

(तेल उद्योग विकास बोर्ड मण्डलीय व्यापार भरा जाए)

..... द्वाग नामनिर्देशन	गच्छ/प्रशासनिक अधिकारी के हस्ताक्षर
..... पर्याप्त नाम	तारीख
..... कार्यालय	पदाधिकारी

तेल उद्योग विकास बोर्ड मण्डलीय व्यापार नामनिर्देशन प्रलूप को प्रति अभिस्वर्कार करने के लिए प्राप्त हो।

सेवा में

.....
.....

महोदय,

प्रस्तुत में उपदान की वावत तारीख के आपके नामनिर्देशन/पहले किए गए नामनिर्देशन के आपके रहकरण की प्राप्ति अभिस्वर्कार करने हुए मुझे यह कहता है कि यह सम्यक रूप से अभिनिव्रित कर लिया गया है।

स्थान :

गणिक/प्रशासनिक अधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख :

टिप्पणी : कर्मचारी को यह गलात भी जानी है कि यह उसके नामनिर्देशिनियों के हित में होगा यदि नामनिर्देशन की प्रतियां और सम्बद्ध मृत्यु तथा अभिस्वीकृतियां सुरक्षित अभिस्वर्कार में रखी जानी हैं जिससे कि उसकी मृत्यु की दण में हिताधिकारियों के पास जे आ सके।

प्रस्तुप 2

सूत्र और सेवा निवृति उपदान के लिए नामनिर्देशन

जब कर्मचारी का कोई कुटुम्ब न हो और वह एक समस्या या एक में अधिक सदस्यों को नामनिर्देशन करना चाहता है।

मैं... क्योंकि मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है इसलिए नीचे उल्लिखित व्यक्तियों को नामनिर्देशन करना है भारत उसको/उनको नीचे विनिर्विट मात्रा तक ऐसा कोई उपदान जो भेजा में ज्ञान है मेरी सूत्र की दणा में तेज उद्योग विकास बोर्ड हारा मंजुर किया जाए, प्राप्त करने का अधिकार और नीचे विनिर्दिष्ट मात्रा तक ऐसा कोई उपदान जो मेरी सेवा निवृति पर मूल्य भवित्व द्वारा मूल्य के समय अमंदत रह जाता है मेरी सूत्र पर प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करना है।

सूत्र नामनिर्देशनी

अनुकूली नामनिर्देशनी

नामनिर्देशनी/नामनिर्देशियों का नाम और पता :	कर्मचारी से संबंध	आयु	प्रत्येक की संदेय	ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों, यदि कोई प्रत्येक की संदेय हो, का नाम, पता, संबंध और आयु उपशान के गेयर जिसको/जिसका नामनिर्देशनी की रकम का सूत्र के पश्चात किन्तु उपदान का सदाय प्राप्त करने के पूर्व सूत्र हो जाने की सूत्र में व्यक्ति का विवर हो जाता है।
1.	1	2	3	4
2.				5
3.				
4.				

टिप्पणी : यह नामनिर्देशन पहले नारीख ... को भेजे हारा किए गए नामनिर्देशन को अविभिन्न करना है, और यह हो गए है।

(1) कर्मचारी को आहिए कि वह नीचे लारी स्थान पर प्रनिम प्रविष्टि के सामने भेजा जाना दें, जिसमें कि उसके हस्ताक्षर किए जाने के पश्चात कोई नाम न छोड़ जा सके।

(2) जो लागू न होता हो, उसे काट दे।

आज तारीख 198 स्थान

वाक्यों के हस्ताक्षर : कर्मचारी के हस्ताक्षर :

1.

2.

*यह स्वप्न भग जाना आहिए जिसमें कि उपदान की पूरी रकम भा जाए।

**इस मामले में दणित उपदान की रकम/जेयर के अन्तर्गत सूत्र नामनिर्देशनी/नामनिर्देशियों को संदेय पूर्ण रकम/जेयर भाने आहिए।
(तेज उद्योग विकास बोर्ड सर्विकालय हारा भरा भाए)

द्वारा नामनिर्देशन

पद नाम

कार्यालय

सचिव/प्रणामनिक अधिकारी के हस्ताक्षर
तारीख : *

परामिथान

तेज उद्योग विकास बोर्ड सर्विकालय हारा नामनिर्देशन प्रकृष्ट की प्रति अभिम्बाकार करने के लिए प्रोकार्मा

संबंधी में,

महाराष्ट्र,

नारीख.....प्रस्तुप.....में उपदान की बाबत आपके नामनिर्देशन पहले किए गए नारीख.....को नामनिर्देशन के आपके रद्दकरण के प्राप्त अभिम्बाकार करने हुए उसे यह कहना है कि यस्यक रूप से अभिमिक्षित कर दी गई है।

स्थान : सचिव/प्रणामनिक अधिकारी के हस्ताक्षर
नारीख :

टिप्पणी : कर्मचारी को यह मनहाह दी जाती है कि यह उसके नामनिर्देशियों के हित में छोड़ा यदि नामनिर्देशन की प्रतियां भार सम्बद्ध सचना तथा अभिम्बाकालिया अभिमिक्षित अभिम्बाकालिया में रखी जाती है जिसमें कि उसकी सूत्र की दणा में हिताधिकारियों के कद्दे में आ गए।

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 26th December, 1983

NOTIFICATION

G.S.R. 919(E).—In exercise of the powers conferred by section 31 of the Oil Industry Development Act, 1947 (No. 47 of 1974), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Oil Industry Development Board Employees' (Death-cum-Retirement) Gratuity Rules, 1983.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Emoluments" means the pay (including dearness pay as determined by the order of the Central Government issued from time to time), special pay, leave salary, which an employee of the Board was receiving immediately before his quitting service or on the date of his death, and shall be subject to a ceiling of Rs. 2500 per month;

(b) "Family" includes the following:

(i) wife or wives (including judicially separated wife or wives) in the case of a male Government servant;

(ii) husband, (including judicially separated husband) in the case of a female Government servant;

(iii) sons including step sons and adopted sons;

(iv) unmarried daughter including step daughters and adopted daughters;

(v) widowed daughters including step daughters and adopted daughters;

(vi) father including adopted parents in the case of individuals whose personal

(vii) mother law permits adoption;

(viii) brothers below the age of eighteen years including step brothers;

(ix) unmarried sisters and widowed sisters including step sisters;

(x) married daughters; and

(xi) children of a pre-deceased son;

(c) "Non-regular employee" means a person who is not employed on regular establishment of the Board but is employed for work which is essentially of a purely temporary nature or is employed in connection with temporary increase in permanent work for a period not exceeding twelve months;

(d) "Qualifying service" means continuous service rendered in the Board after completion of 18 years of age including continuous service rendered prior to the commencement of these rules, that is, from the date of appointment in the Board except periods of service rendered as apprentice or trainee and extra-ordinary leave without leave salary and periods of suspension adjusted as a special penalty.

Note:— In the case of extraordinary leave, the Secretary or the Chairman may, at the time of granting such leave, allow the period of that leave to count as qualifying service if such leave is granted to an employee—

(i) on medical certificate, or

(ii) due to his inability to join or rejoin duty on account of civil commotion.

(e) "Superannuation" means the retirement of the Board's employee from service on reaching the age of fifty eight|sixty years.

3. Scope.—Gratuity shall be granted to the whole time regular employees of the Board, but shall exclude the following:—

(i) Casual and non-regular employees.

(ii) Government servants and other employed on deputation terms.

(iii) Employees on contract terms.

(iv) Apprentices and trainees.

(v) Re-employed persons.

(vi) Employees governed by the payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972);

Provided that such of the terms of payment of gratuity under these rules as are more beneficial than those under the payment of gratuity Act, 1972 (39 of 1972), shall be applicable to such employees.

4. Condition for the grant of gratuity.—Subject to the provisions mentioned in rule 3 gratuity shall be granted to the whole time employees

of the Board for good, efficient and faithful service and shall be admissible in the following circumstances :—

- (a) Discharge on abolition of post.
- (b) Permanent incapacity due to bodily or mental infirmity.
- (c) On the death of an employee while in service.
- (d) Superannuation.
- (e) Resignation (on or after the 1st February, 1980) in the case of Supervisory employee after rendering 5 year's qualifying service in the Board on the date of relief from the service of the Board.
- (f) (i) Gratuity will not be admissible, to an employee who resigns from service before completing 5 year's qualifying service or whose services are terminated for misconduct, insolvency or inefficiency.
- (ii) Except in the case of death, gratuity will be admissible only after five year's qualifying service.

5. Amount of gratuity.—(1) Gratuity will be equal to $\frac{1}{4}$ th of the emoluments for each completed period of six months of service subject to a maximum of $16\frac{1}{2}$ times the emoluments or Rs. 36,000/- whichever is less.

(2) In the case of death, the amount of gratuity will be calculated as provided in sub-rule (1) or as mentioned below whichever is more :—

(i) During the first year of service	2 months' emoluments
(ii) After one year but before 5 years service.	6 months' emoluments
(iii) After completion of 5 years service.	12 months' emoluments

6. Nomination for Payment of gratuity.—(1) Every employee shall make a nomination in the form appended to these rules conferring on one or more persons of his family, the right to receive the gratuity in the event of his death while in service or after quitting service but before payment of the gratuity is made, indicating the shares payable to each member. In the case of an employee having no family, the nomination may be made in favour of a person or persons or a body of persons, corporate or incorporate. If after having made a nomination in favour of a person who is not a member of his/her family, the employee acquires a family, the nomination so made, will automatically lapse and

unless a fresh nomination is made, gratuity will be paid to the surviving members of the family in accordance with the provisions of these rules.

(2) In the event of there being no nomination, the gratuity, on death, may be paid in the manner indicated below :—

- (a) if there are one or more surviving members of the family as provided in sub-clauses (i) to (iv) of clause (b) of rule 2, it shall be paid to all such members, other than any such member who is a widowed daughter, in equal shares.
- (b) If there are no such surviving members of the family but there are one or more surviving widowed daughter, and/or more surviving members of the family as mentioned in sub-clauses (v) to (ix) of clause (b) of rule 2, the gratuity shall be paid to all such members, in equal shares.
- (3) An employee may at any time, revoke or change the nomination made under sub-rule(1) and make a new one which shall be effective from the date it is filed with the Board.

7. Application for gratuity.— Application for the grant of gratuity shall be submitted in the prescribed form to the Chairman/Secretary of the Board.

8. General rules.— (1) The amount of gratuity that may be granted is determined by the length of service as set forth in rule 4. Fractions of a half year are not taken into account in the calculation of any gratuity admissible to an employee.

- (2) Any gratuity fixed in rupee shall be calculated to the nearest rupee.
- (3) An employee who is selected for discharge owing to the abolition of the post is entitled to gratuity under rule 4, if he does not accept any other post in the Board. If he accepts another appointment, even on a lower pay, his previous service will count for gratuity.

9. Periods of suspension.— (1) Time passed under suspension pending enquiry into the conduct counts if suspension is immediately followed by reinstatement but time passed under suspension adjusted as a specific penalty does not count. An employee shall not be penalised, if he is exonerated after a period of suspension.

- (2) If the employee under suspension is reinstated but has not been allowed to draw any part of allowances admissible

under suspension, the period of such suspension, shall not count for purpose of qualifying service without the specific orders from the authority, who reinstates the employee which shall clarify this issue immediately after the reinstatement.

10. Removal and dismissals.— (1) An employee who is dismissed, removed or compulsorily retired but is reinstated on appeal or revision is entitled to the benefit of his past service for the purpose of gratuity.

(2) The period of break in service between the date of dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be, and the date of reinstatement and the period of suspension, if any, shall not count unless regularised as duty or leave by a specific order of the authority which passed the orders of reinstatement.

11. Interruptions.— An interruption in the service of an employee entails forfeiture of his past service save in the following cases.—

- (1) Authorised leave of absence.
- (2) Unauthorised absence in continuation of authorised leave of absence so long as the post of the absentee is not substantively filled. If his post is substantively filled, the past service is forfeited.
- (3) Suspension where it is immediately followed by reinstatement whether to the same or a different post or where the employee dies or is permitted to retire or is retired while under suspension.
- (4) Abolition of post or loss of appointment owing to reduction of establishment.

12. Retrospective commutation of absence.— The authority who sanctions the gratuity may commute retrospectively periods of absence without leave into extraordinary leave with or without leave salary.

13. Condonation of interruption and deficiencies.— (1) Upon such conditions as he may think fit in each case to impose, the Chairman may condone all interruptions in an employee's service.

(2) The Chairman may condone a deficiency not exceeding six months in an employee's qualifying service and the authority competent to sanction gratuity may condone such a deficiency not exceeding three months.

14. Board's right to recover dues, etc.— The Board shall have the right to effect recoveries from the gratuity of the whole or part of the Board's dues, if any. Any pecuniary loss caused to the Board as a result of any act or commission on the part of the employee shall also be recovered from the amount of gratuity payable to such an employee if the Board is satisfied that the employee has been guilty of grave misconduct or negligence during his service including service rendered or re-employment after retirement even though the employee could not be informed of it.

15. Employee's right not transferable.— The right of an employee eligible to any benefits payable or which may become payable to him under these rules cannot be assigned (otherwise than as provided in rule 6), pledged, hypothecated or alienated.

16. Gratuity subject to statutory deduction.— Payment of gratuity is subject to all statutory deductions.

[F. No. 7/10/83-Fin. II]

R. VASUDEVAN, Jt. Secy.

FORM—I

NOMINATION FOR DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY

When the employee has a family and wishes to nominate one member or more than one member, thereof.

I, _____ hereby nominate the person/persons mentioned below who is/are member(s) of my family, and confer on him/them the right to receive to the extent specified below, any gratuity that may be sanctioned by the Oil Industry Development Board in the

event of my death while in service and the right to receive on my death, to the extent specified below, any gratuity which having become admissible to me on retirement may remain unpaid at my death:—

Original nominee(s)		Alternate nominee(s)			
Name and address of nominee/nominees	Relationship with the employee	Age	Amount of share of gratuity payable to each*	Name, address, relationship and age of person or persons if any, to whom the right conferred on the nominee shall Pass, in the event of the nominee predeceasing the employee or the nominee dying after the death of the employee but before receiving payment of gratuity	Amount of share of gratuity payable to each**.
1.	—	2.	3.	4.	5.
1.	—	—	—	—	6.
2.	—	—	—	—	—
3.	—	—	—	—	—
4.	—	—	—	—	—
5.	—	—	—	—	—

This nomination supersedes the nomination made by me earlier on _____ which stands cancelled.
Note:—

(i) The employees shall draw lines across the blank space below the last entry to prevent the insertion of any name after he has signed

(ii) Strike out which is not applicable

Dated this _____ day of _____ 19____

Witnesses to signature

1
2

Signature of employee

*This column should be filled in so as to cover the whole amount of the gratuity.

**The amount/share of the gratuity shown in this column should cover whole amount/share payable to the original nominee (s).

(TO BE FILLED BY THE OIL INDUSTRY DEVELOPMENT BOARD, SECRETARIAT)

Nomination by _____	Signature of Secretary/Administrative Officer
Designation _____	Date _____
Office _____	Designation _____

PROFORMA FOR ACKNOWLEDGING THE RECEIPT OF THE NOMINATION FORM BY THE OIL INDUSTRY DEVELOPMENT BOARD'S SECRETARIAT

To _____

Sir:

In acknowledging the receipt of your nomination dated the _____ cancellation dated the _____ of the nomination made earlier in respect of gratuity in Form _____ I am to state that it has been duly placed on record.

Signature of Secretary/Administrative Officer

Place _____

Date _____

Note: The Employee is advised that it would be in the interest of his nominees if copies of the nomination and the related notices and acknowledgements are kept in safe custody so that they may come into the possession of the beneficiaries in the event of his death.

FORM—2

NOMINATION FOR DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY

When the employee has no family and wishes to nominate one person or more than one person

I, _____ having no family, hereby nominate the person/persons mentioned below and confer on him/them the right to receive to the extent specified below, any gratuity that may be sanctioned by the Oil Industry Development Board in the event of my death while in service and the right to receive on my death, to the extent specified below, any gratuity which having become admissible to me on retirement may remain unpaid at my death.

Original nominee(s)		Alternate nominee(s)			
Name and address of nominee/nominees	Relationship with the employee	Age	Amount of share of gratuity payable to each*	Name, address, relationship and age of the person or persons, if any, to whom the right conferred on the nominee, predeceasing the employee or the nominee dying after the death of the employee but before receiving payment of gratuity	Amount of share payable to each**
1.		2.	3.	4.	5.
1.					6.
2.					
3.					
4.					
5.					

This nomination supersedes the nomination made by me earlier on _____ which stands cancelled.

Note:—

- (i) The employee should draw lines across blank space below the last entry to prevent the insertion of any name after he has signed.
- (ii) Strike out which is not applicable.

Date this _____ day of _____ 198 _____ at _____

Witnesses to signature:

- 1.
- 2.

Signature of the employee

*This column should be filled in so as to cover the whole amount of the gratuity.

**The amount/share of the gratuity shown in this column should cover whole amount/share payable to the original nominee(s)

(TO BE FILLED BY THE OIL INDUSTRY DEVELOPMENT BOARD)

Nomination by _____	Signature of Secretary/Administrative Officer _____
Designation _____	Date _____
Office _____	Designation _____

PROFORMA FOR ACKNOWLEDGING THE RECEIPT TO THE NOMINATION FORM BY THE OIL INDUSTRY DEVELOPMENT BOARD'S SECRETARIAT

To _____

Sir,

In acknowledging the receipt of your nomination dated the _____ /cancellation dated the _____ of the nomination made earlier in respect of gratuity in Form _____ I am to state that it has been placed on record.

Place: | _____

Dated: _____

Signature of Secretary/Administrative Officer

Note.—The employee is advised that it would be in the interest of his nominee if copies of the nominations and the related notices and acknowledgements are kept in safe custody so that they come into the possession of the beneficiaries in the event of his death.